भारत - नाइजीरिया संबंध

राजनीतिक संबंध :

भारत और नाइजीरिया के बीच संबंध परंपरागत रूप से गर्मजोशीपूर्ण एवं मैत्रीपूर्ण रहे हैं। भारत ने 1958 में नाइजीरिया में अपने राजनयिक मिशन का गठन किया तथा इसके दो साल बाद 1960 में नाइजीरिया ने अपनी आजादी प्राप्त की। दोनों ही देश उपनिवेशवाद तथा रंगभेद के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय संघर्ष में सबसे आगे रहे हैं तथा विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मंचों में बहुत निकटता से एक दूसरे का सहयोग किया है। सितंबर 1962 में प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की नाइजीरिया की महत्वपूर्ण यात्रा तथा नाइजीरिया के पहले प्रधानमंत्री तफावा बालेवाहाद के साथ उनकी बातचीत से हमारे दोनों देशों एवं नेताओं के बीच परस्पर सद्भाव, सम्मान एवं मैत्री का सृजन हुआ। लगभग 45 साल के बाद अक्टूबर 2007 में प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह की नाइजीरिया की ऐतिहासिक राजकीय यात्रा ने हमारे द्विपक्षीय संबंधों को महत्वपूर्ण रूप से एक नई गति प्रदान की। हमारे औपनिवेशिक अतीत की समानताएं, एक विशाल बहुजातीय, बहुधार्मिक एवं विकासशील समाज जिसमें युवाओं का प्रतिशत अधिक है, से दोनों देश और भी करीब आए हैं। अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक, सामाजिक एवं विकास के मुद्दों पर हमारे विचारों में समानताएं हैं, जो संयुक्त राष्ट्र, विश्व व्यापार संगठन आदि की विभिन्न बैठकों में परिलक्षित हुआ है। दोनों ही देश हर तरह के आतंकवाद की जोरदार ढंग से खिलाफत करते हैं।

नाइजीरिया के प्रधानमंत्री मुहम्मदू बुहारी ने नई दिल्ली में आयोजित भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक (आई ए एफ एस-III) में भाग लेने के लिए 26 से 30 अक्टूबर 2015 के दौरान भारत का दौरा किया। उनके साथ 121 सदस्यीय शिष्टमंडल आया था जिसमें रक्षा, विद्युत, संचार, प्रौद्योगिकी, कृषि, विदेश तथा उद्योग, व्यापार एवं निवेश जैसे मंत्रालयों के स्थाई सचिवों के अलावा कानो राज्य के गवर्नर श्री अब्दुल्लाही गांडुजे और डेल्टा राज्य के गवर्नर श्री इफिनयी ओकावा; राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एन एस ए) मेजर जनरल मबागना मोंगुनो (सेवानिवृत्त) शामिल हैं।

दोनों पक्षों ने दोनों देशों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आवधिक आधार पर द्विपक्षीय यात्राओं के संवेग को बनाए रखने का प्रयास किया है। दोनों देशों के बीच हाल की यात्राओं का ब्यौरा अनुबंध में दिया गया है।

वाणिज्यिक एवं आर्थिक संबंध :

द्विपक्षीय व्यापार :

- भारत नाइजीरिया का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है तथा नाइजीरिया अफ्रीका में सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है। भारत के स्वामित्व / प्रचालन वाली कंपनियों ने नाइजीरिया की संघ सरकार के बाद नाइजीरिया में सबसे अधिक संख्या में लोगों को रोजगार दिया है।

- 2014-15 के दौरान द्विपक्षीय व्यापार में 2 प्रतिशत की गिरावट आई तथा यह 2012-13 में 16.764 बिलियन अमरीकी डालर से घटकर 2014-15 में 16.364 बिलियन अमरीकी डालर हो गया।

- नाइजीरिया को भारत की ओर से निर्यात 2013-14 में 2667.83 मिलियन अमरीकी डालर से बढ़कर 2014-15 में 2681.34 मिलियन अमरीकी डालर पर पहुंच गया। उल्लेखनीय है कि नाइजीरिया को भारत की ओर से जो निर्यात किया जाता है वह इबोला संकट, चुनाव से संबंधित अनिश्चितता, दो बार नैरा के अवमूल्यन, जुलाई 2014 से सुरक्षा की स्थिति आदि की वजह से नाइजीरिया के बार के बड़े पैमाने पर सिमटने के बावजूद बहुत प्रभावित नहीं हुआ है। अन्यथा बाजार की रूझानों को देखते हुए हमारे निर्यात में भारी गिरावट आनी चाहिए थी।

- नाइजीरिया को भारत की ओर से निर्यात 2013-14 में 14,098.38 मिलियन अमरीकी डालर से 2 प्रतिशत बढ़कर 2014-15 में 13,682.72 मिलियन अमरीकी डालर पर पहुंच गया।

- भारत के आयात में क्रूड एवं पेट्रोलियम उत्पादों का बहुत बड़ा हिस्सा है। 2014-15 में क्रूड एवं पेट्रोलियम उत्पादों का भारतीय आयात 13.532 बिलियन अमरीकी डालर के आसपास था, जबकि पिछले साल में यह 13.959 बिलियन अमरीकी डालर दर्ज किया गया था।

भारत - नाइजीरिया द्विपक्षीय व्यापार के आंकड़े

मिलियन यूएस डॉलर में मूल्य

	2010-11	**2011-12**	**2012-13**	**2013-14**	**2014-15**
भारत का निर्यात	2259.09 (+60 प्रतिशत)	2700.23 (+29 प्रतिशत)	2738 (1.5 प्रतिशत)	2667.83 (-2.6 प्रतिशत)	2681.34 (-0.5 प्रतिशत)
भारत का आयात	10787.72 (+48 प्रतिशत)	14622.57 (+36 प्रतिशत)	13826 (-5.9 प्रतिशत)	14098.38 (3.5 प्रतिशत)	13682.72 (-2 प्रतिशत)

तेल व्यापार : हाल के वर्षों में नाइजीरिया भारत के लिए कच्चे तेल के मुख्य स्रोतों में से एक बन गया है। भारत कच्चे तेल की अपनी आवश्यकता में से लगभग 8 से 10 प्रतिशत का आयात नाइजीरिया से करता है।

आर्थिक गतिविधियां एवं परियोजनाएं : इस समय नाइजीरिया में 100 से अधिक भारतीय कंपनियां प्रचालन कर रही हैं जिनका स्वामित्व भारतीय मूल के व्यक्तियों या भारतीयों के पास है और / या इनके द्वारा उनका प्रचालन किया जा रहा है। इनमें से प्रमुख कंपनियां इस प्रकार हैं - भारतीय एयरटेल, इंडोरामा, ओलम इंटरनेशनल (अब सिंगापुर में पंजीकृत), टाटा, बजाज आटो, बिड़ला ग्रुप, किरलोस्कर, महिंद्रा, अशोक लीलैंड, एन आई आई टी, एप टेक, न्यू इंडिया एस्योरेंस, भूषण स्टील, के ई सी, स्किपर नाइजीरिया, डाबर, गोदरेज और प्राइमस सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल। इसके अलावा नाइजीरिया के विद्युत क्षेत्र में 15 प्रमुख कंपनियां भारत की हैं। नाइजीरिया के भेषज पदार्थ, स्टील एवं विद्युत पारेषण जैसे क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों का वर्चस्व है। नाइजीरिया आधारित जातीय भारतीय उपभोक्ता माल का विनिर्माण एवं खुदरा व्यापार, निर्माण एवं हवाई सेवा से संबंधित क्षेत्रों में आर्थिक दृष्टि से सक्रिय हैं।

भारतीय उच्चायोग के साथ मिलकर तथा वाणिज्य एवं एद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से भारतीय उद्योग परिसंघ (सी आई आई) ने 25 से 27 अगस्त, 2015 तक लागोस में इंडिया शो का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का विषय "भारत एवं नाइजीरिया के बीच व्यापार एवं निवेश बढ़ाना" था तथा इसका उद्घाटन 25 अगस्त, 2015 को लागोस राज्य के उप राज्यपाल डा. इदियात ओलुरांति अडेबुले और बेनुई राज्य के उप राज्यपाल श्री बेंसन अबौनु के साथ भारतीय उच्चायुक्त श्री ए आर घनश्याम द्वारा किया गया। 100 से अधिक भारतीय कंपनियों ने कार्यक्रम में भाग लिया तथा नाइजीरिया के साथ व्यापार एवं निवेश बढ़ाने के लिए अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया।

नाइजीरियाई लॉ फर्म पेरचस्टोन एंड ग्रेज के साथ मिलकर फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) ने 10 और 11 सितंबर, 2015 को मुंबई में भारत - नाइजीरिया व्यवसाय मंत्र की दूसरी बैठक आयोजित की जिसका विषय "उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लीवर बदलना : रिग से चिप तक" था। इस कार्यक्रम में भारत और नाइजीरिया की फर्मों ने काफी संख्या में भाग लिया।

भारतीय उच्चायोग, अबुजा ने मार्च 2015 में इनुगू राज्य में आयोजित इनुगू ट्रेड फेयर में और अप्रैल / मई 2015 में आयोजित कडुना ट्रेड फेयर में भाग लिया। विभिन्न भारतीय कंपनियों द्वारा भारतीय उत्पादों एवं कैटलॉग के डिस्प्ले के अलावा, नाइजीरिया में काम कर रहे भारतीय डाक्टरों / अस्पतालों के सहयोग से ट्रेड फेयर के दौरान निशुल्क चिकित्सा शिविरों का भी आयोजन किया गया ताकि चिकित्सा के क्षेत्र में भारत की उत्कृष्टता को प्रदर्शित किया जा सके।

एग्जिम बैंक की ऋण सहायता : अक्टूबर 2007 में नाइजीरिया की अपनी पहली यात्रा के दौरान तत्कालीन प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने नाइजीरिया सरकार के लिए 100 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य की ऋण सहायता (एल ओ सी) की घोषणा की। 100 मिलियन अमरीकी डालर की यह सहायता अनेक राज्यों में तीन विद्युत परियोजनाओं के लिए है - (1)

एनुगू - 40 मिलियन अमरीकी डालर, (2) क्रास रीवर्स - 30 मिलियन अमरीकी डालर और (3) कडूना - 30 मिलियन अमरीकी डालर। भारत के एग्जिम बैंक ने 22 मई 2014 को किगाली, रवांडा में अफ्रीकी विकास बैंक (ए एफ डी बी) की बैठक के दौरान अतिरिक्त समय में नाइजीरिया सरकार के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किया।

हवाई सेवाएं : नाइजीरिया और भारत के बीच कोई सीधा हवाई संपर्क नहीं है। भारत और नाइजीरिया के बीच हवाई यात्रा के तहत दुबई, आदिस अबाबा, नैरूबी, कैरो, दोहा, फ्रैंकफर्ट या लंदन में ट्रांजिट ट्रैवल शामिल है।

सांस्कृतिक संबंध :

प्रथम महिला ने भारतीय फिल्म महोत्सव का उद्घाटन किया : एच सी आई ने पहली बार 31 मार्च से 6 अप्रैल 2014 के दौरान अबुजा में एक सप्ताह चलने वाले भारतीय फिल्म महोत्सव का आयोजन किया। इस सफल कार्यक्रम का उद्घाटन प्रथम महिला माननीया श्रीमती दामे पेसेंस जोनाथन द्वारा 31 मार्च 2014 को किया गया, जिसे शहर के लोगों द्वारा खूब सराहा गया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कई दृष्टि से वालीवुड हालीवुड से तुलनीय है। उच्चायुक्त ने कहा कि वह नई दिल्ली में एक नाइजीरियन फिल्म महोत्सव को सुगम बनाने की दिशा में काम करेंगे। लोकप्रिय सिल्वर बर्ड सिनेमा कॉम्प्लेक्स में हिंदी की दो मशहूर फिल्मों को दिखाया गया।

आई टी ई सी / एस सी ए ए पी : 2015-16 के लिए नाइजीरिया को भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आई टी ई सी) कार्यक्रम के तहत 200 स्लाट आवंटित किए गए हैं। पिछले कुछ वर्षों के दौरान नाइजीरिया के उम्मीदवारों द्वारा आवंटित कोटे का उपयोग पूरी तरह किया गया है। तथापि, 2014-15 में मुख्य रूप से इबोला संकट की वजह से केवल 101 स्लाटों का उपयोग किया गया।

संस्कृति एवं शैक्षिक : भारतीय फिल्में कानो, कडूना एवं अन्य उत्तरी राज्यों में लोकप्रिय हैं तथा स्थानीय चैनल नियमित रूप से भारतीय फिल्मों का प्रसारण करते हैं। अतीत में भारतीय सांस्कृतिक मंडलियों ने वार्षिक अबुजा कार्निवल में नाइजीरिया के लोगों का मनोरंजन किया है। इन मंडलियों ने लागोस एवं नाइजीरिया के अन्य शहरों में भी अपनी कला का प्रदर्शन किया। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आई सी सी आर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित एक राजस्थानी लोक नृत्य मंडली ने 17 से 21 सितंबर, 2015 के दौरान नाइजीरिया का दौरा किया। अपनी इस सात्रा के दौरान उन्होंने नाइजीरिया के लागोस, अबुजा एवं कानो शहरों में अपनी कला का प्रदर्शन किया।
लागोस बिजनेस स्कूल ने भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आई सी सी आर) के साथ एक रोटेटिंग चेयर की व्यवस्था की है।

भारतीय समुदाय :

एन आर आई / पी आई ओ समुदाय : एक अनुमान के अनुसार नाइजीरिया में भारतीय समुदाय के तकरीबन 35,000 व्यक्ति हैं - तकरीबन 25,000 भारतीय नागरिक तथा लगभग 10,000 भारतीय मूल के व्यक्ति जिन्होंने अन्य देशों की नागरिकता ग्रहण कर ली है। आज नाइजीरिया में जिनकी आयु 40 से 60 के बीच है उनकी पीढ़ी को भारतीय शिक्षकों द्वारा पढ़ाया गया है, भारतीय डाक्टरों द्वारा उनका उपचार किया गया है तथा वे भारतीय मूवी देखकर पले बढ़े हैं तथा नाइजीरिया में भारत और भारतीयों के प्रति सद्भावना है तथा उन्हें सम्मान की नजरों से देखा जाता है। लागोस में एक सी बी एस ई संबद्ध भारतीय भाषा विद्यालय है जिसमें 25,00 छात्र पढ़ते हैं। लागोस में दो मंदिर भी हैं तथा अनेक सांसकृतिक एवं जातीय संघ हैं, जिनमें सबसे प्रमुख भारतीय सांस्कृतिक संघ है।

कुछ भारतीय नाइजीरिया के विभिन्न भागों में आपराधिक घटनाओं, विशेष रूप से अपहरण तथा सशस्त्र डकैती के शिकार हुए हैं। दो भारतीय नागरिक उन 157 पीड़ितों में शामिल थे जिन्होंने 3 जून 2012 को लागोस के पास दाना एयर (जिसका स्वामी लागोस स्थित एक एन आर आई ग्रुप है) के दुर्घटनाग्रस्त होने पर अपनी जान गंवा दी। 25 जुलाई 2012 को मैडुगुरी, बोर्नो राज्य में एक भारतीय के स्वामित्व वाली गम अरेबिक फैक्ट्री पर एक अज्ञात सशस्त्र गुट द्वारा हमले में दो भारतीय मारे गए तथा एक गंभीर रूप से घायल हो गया। उच्चायोग नाइजीरिया में सुरक्षा स्थिति की निगरानी करता है तथा समय समय पर भारतीय नागरिकों के लिए अपनी वेबसाइट http://www.hcindia-abuja.org पर एडवाइजरी जारी करता है। पश्चिम अफ्रीका के देशों में इबोला वायरस के प्रसार को देखते हुए उच्चायोग द्वारा इस बारे में परामर्शी भी जारी की गई कि इबोला वायरस की स्थिति में क्या करें और क्या ना करें।

कोंसुलर संबंध : भारत और नाइजीरिया के बीच जन दर जन संपर्क जीवंत है तथा निरंतर बढ़ रहा है। वर्ष 2015 के दौरान तकरीबन 25,000 नाइजीरियंस ने भारतीय वीजा प्राप्त किया। भारत का दौरा करने के प्रमुख कारणों में चिकित्सा उपचार एवं व्यवसाय शामिल हैं। भारत की तृतीयक संस्थाओं में पढ़ाई करने वाले नाइजीरिया के छात्रों की संख्या भी बढ़ रही है। भारत के अनेक फुटबाल क्लबों में नाइजीरिया के पेशेवर खिलाड़ी हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय उच्चायोग, अबुजा की वेबसाइट :
http://www.hcindia-abuja.org.

***

फरवरी, 2016